c. वि cunctari. N.20.16.: ना ऽयङ् कालो विलम्बितुम्· (Cf. lith. *rambus* piger.)

लम्ब (r. लम्ब् s. अ) amplus, magnus, longus, latus, turgidus. H.2.3.

लम्बजठर (*BAH.* e praec. et जठर venter) turgidum ventrem habens. H.2.3.

लम्बय् (*Denom.* a लम्ब, v. gr.589.) extendere. RAGH.6.75.: को लम्बयेद् आहरणाय हस्तम् (schol. लम्बङ् कुर्यात्)·

लम्बस्फिच् (*BAH.* e लम्ब et स्फिच् clunis) turgidas clunes habens. H.2.3.

लय् 1. *A.* (गतौ) ire. Cf. रय्, वय्·

लय *m.* (r. 2. ली s. अ) domus, habitatio. MED.

लल् 1. *P. interdum A.* lascivire, ludere, hilarem esse, voluptate frui. R. Schl. I.9.19.: ललमाना वराङ्गनाः; IN.1.27.: शिशुर् यथा पितुर् अङ्के सुसुखं वर्त्तते ... तथा तवा ऽङ्के ललितं शैलराज मया प्रभो· — ललित amoenus, gratus, suavis, venustus, pulcher. Lass.65.16. 70.2. 91.14. SAK.34.15. MEGH.33,65. *Subst. n.* venustas. R. Schl. I.9.16. — ललितम् *Adv.* pulchre, belle, suaviter. DEV.10.27.: गन्धर्वा ललितञ् जगुः· — *Caus.* exhilarare, gaudio afficere. R. Schl. II.47.6.: यो नः सदा लालयति पिता पुत्रान् इवौ ''रसान्; 43.15.; MAH.2.1797.

ललन lasciviens, ludens, *praesertim fem.* ललना· IN.5.6.

ललाट *n.* frons, frontis. N.19.16.

ललाम *n.* decus, ornamentum. SAK.34.7.

ललित v. लल्·

लव *m.* (r. लू s. अ) frustillum, particula, res minuta, paululum quiddam, *praesertim in fine comp.* UR.74.10.: आमिषलव; 72.13.: अपराधलव; MEGH.21,71,91.

लवण *n.* (r. लू s. अन, anomale mutato न in ण) sal. *V. sq.*

लवणाम्भस् *n.* (aqua salsa, *TATP.* e लवण et अम्भस् aqua) mare salsum. M.40.

लवणोद *m.* (aqua salsa, *TATP.* e लवण et उद aqua) *id.* AM.

लवली *f.* nomen plantae repentis. UR.84.1.

लश् 10. *P. v.* 2. लस्·

1. लष् 1. et 4. *P. A.* desiderare, optare, appetere. (Cf. लस्, लालस, gr. λῶ, λῆμα, λωΐων, λωΐτερος, λώϊστος, λιλαίομαι, v. Pott. I.271.)

c. अभि *id.* MAH.1.6580.: का ... कन्या ना ऽभिलषेन् नाथम् भर्तारम्; IN.5.35.: चिराभिलषितो वीर ममा ऽयम् एष मनोरथः; SA.3.13.: पूर्वम् एवा ऽभिलषितः सम्बन्धो मे त्वया सह·

2. लष् 10. *P. v.* 2. लस्·

1. लस् 1. *P.* (श्लेषणविलासयोः *K.* श्लिषिक्रीडे *V.*) 1) amplecti, ludere, jocari. *Ut videtur, primitive* se movere (v. *Caus.* et लस् praef. उद्). 2) radiare, lucere, splendere. MAH.3.15533.: लसत्कौस्तुभभूषण; NALOD.1.34.: विप्रलसन्नालीकान् (schol. लसन्तो दीप्यमानाः); 46.: लसमानान् (schol. देदीप्यमानान्)· — *Caus.* लासयामि ludere, jocari facio; agito. UR.18.4.: लताङ् कौन्दीश्च लासयन् (वायुः)· *V.* लालस et cf. लल्, lat. *lascivus, lascivire.*

c. उद् se movere; splendere. BHATT.9.86.: उल्लसत्कुसुमाम् पुण्यां हेमरत्नलताम् इव (schol. G'. चलत्पुष्पाम्, BH. राजत्पुष्पाम्)· — *Caus.* exhilarare. उल्लासित exhilaratus. उल्लासितम् *Adv.* laete. HIT.21.15.: तन् दृष्ट्वा ऽल्लासितम् ब्रूते·

c. वि ludere, jocari, se oblectare, *praesertim* ludo amatorio frui, *c. instr.* HIT.42.9.: निर्दयम् आलिङ्ग्य पर्यङ्के तया विललास; GITA-G.7.13.14.sq.: का ऽपि मधुरिपुणा विलसति युवतिः· *C. loc.* GITA-G.1.38.sq.: हरिर् इह मुग्धवधूनिकरे विलासिनि विलसति· *Absol.* l.c.11.14.: इह विलस· 2) splendere. BHATT.10.68. — विलसित *n.* splendor. UR.78.15.: अचिरप्रभाविलसितैः·

2. लस्, लष्, लश् 10. *P.* लासयामि etc. (शिल्पयोगे) artem exercere, manu operari.

ला 2. *P.* (दाने आदाने *K.* ग्रहे *V.*) 1) dare. 2) sumere. BHATT.14.92.: ललुः खड्गान्; 15.53. (Cf. दा, रा.)

लाक्षा *f.* genus pigmenti rubri. RITU-S.1.5.